जहाँ पहिया है

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» अतिशयोक्ति अलंकार की पहचान

प्रश्न 1 (आसान). पंक्ति: "मैं इतने खुश हूँ कि खुशी से आसमान भी रंगीन हो गया।" इसमें अतिशयोक्ति है?
उत्तर – हाँ, क्योंकि खुशी को बहुत ज्यादा बढ़ाकर कहा गया है–आसमान सच में रंगीन नहीं होता।

प्रश्न 2 (आसान). पंक्ति: "इतनी तेज़ बारिश हुई कि लोग छतों से उड़ने लगे।" अतिशयोक्ति पहचानो।
उत्तर – अतिशयोक्ति है, क्योंकि 'बारिश से उड़ना' सच से बहुत ज्यादा कहा गया है।

प्रश्न 3 (मध्यम). पंक्ति: "मेरा दिल इतना दुखा कि मैं पत्थर बन गया।" क्या यह अतिशयोक्ति हो सकती है? क्यों?
उत्तर – हाँ, क्योंकि दिल के दुख को इतनी अधिक तीव्रता में दिखाया गया है कि सच में 'पत्थर बन जाना' संभव नहीं–इसलिए बढ़ा-चढ़ाकर कहा गया है।

प्रश्न 4 (कठिन). पंक्ति: "पेड़ की छाँव बहुत ठंडी थी।" क्या यह अतिशयोक्ति है या सामान्य वर्णन? कारण बताओ।
उत्तर – यह अतिशयोक्ति नहीं है। यह सामान्य/वर्णनात्मक बात है; इसमें 'बहुत ज्यादा' और 'सच से असंभव स्तर' वाला बढ़ा-चढ़ाकर असर नहीं दिखता।

» साइकिल आंदोलन और इसका सामाजिक संदर्भ

प्रश्न 5 (आसान). सामाजिक आंदोलन किसे कहते हैं?
उत्तर – जब किसी समाज की गलत धारणाएँ/पाबंदियाँ तोड़ने के लिए लोगों का प्रयास एक साथ बदलाव लाए, उसे सामाजिक आंदोलन कहते हैं।

प्रश्न 6 (आसान). साइकिल महिलाओं के लिए रूढ़ियाँ तोड़ने में कैसे मदद करती है?
उत्तर – क्योंकि महिलाएँ खुद बाहर जा/चल सकती हैं, जिससे साबित होता है कि वे सक्षम हैं।

प्रश्न 7 (मध्यम). अगर कुछ महिलाएँ अकेले साइकिल चलाएँ, तो क्या यह आंदोलन जैसा होगा? कारण सहित लिखो।
उत्तर – अकेले भी बदलाव की शुरुआत हो सकती है, लेकिन ज्यादा आंदोलन जैसा तब बनता है जब कई महिलाएँ मिलकर करें–तब यह समाज की सोच बदलने की कोशिश बन जाती है।

प्रश्न 8 (कठिन). 'निर्भरता की जंजीरें' का मतलब समझाकर लिखो कि साइकिल चलाने से वह कैसे टूटती है।
उत्तर – निर्भरता की जंजीरें मतलब हर काम के लिए दूसरों/permission पर निर्भर रहना। साइकिल से महिला खुद यात्रा कर सकती है, इसलिए हर बार किसी पर निर्भर होना कम हो जाता है और स्वतंत्रता बढ़ती है।

» 'जंजीरें'–रूढ़िवादिता और निर्भरता की समस्याएँ

प्रश्न 9 (आसान). इस पाठ में 'जंजीरें' का मतलब क्या सिर्फ लोहे की चेन है?
उत्तर – नहीं, यह रूपक है–सामाजिक बंधन और दवाब।

प्रश्न 10 (आसान). "लोग क्या कहेंगे?"–यह किस समस्या की तरफ इशारा है?
उत्तर – रूढ़िवादिता (सामाजिक दबाव)।

प्रश्न 11 (मध्यम). यदि किसी गाँव में महिलाओं को काम पर जाने के लिए हमेशा किसी पुरुष के साथ चलना पड़े, तो यह 'जंजीर' किस रूप में है?
उत्तर – निर्भरता की जंजीर–काम/निर्णय दूसरों पर।

प्रश्न 12 (कठिन). एक महिला कहती है: "पहले मैं अकेले नहीं जा पाती थी, लेकिन अब साइकिल से मैं समय पर खुद पहुँच जाती हूँ।" लेखक के 'जंजीरें' वाले रूपक के हिसाब से यहाँ कौन-सी जंजीर टूट रही है?
उत्तर – निर्भरता की जंजीर–दूसरों पर निर्भरता कम होना, और आत्मनिर्भरता बढ़ना।

» आत्मविश्वास और आत्मसम्मान पर प्रभाव

प्रश्न 13 (आसान). साइकिल सीखने से आत्मविश्वास कैसे बढ़ता है?
उत्तर – जब महिला खुद सीखकर अनुभव करती है कि वह चल सकती है, तो "मैं कर सकती हूँ" वाला भरोसा बनता है और डर घटता है।

प्रश्न 14 (आसान). पाठ के अनुसार यह लाभ सिर्फ आर्थिक क्यों नहीं है?
उत्तर – क्योंकि इसमें आज़ादी और खुशहाली/सम्मान वाला एहसास भी शामिल है, सिर्फ कमाई नहीं।

प्रश्न 15 (मध्यम). अगर लोग महिलाओं की साइकिल पर हँसें, तब भी आत्मसम्मान क्यों टिकता है?
उत्तर – क्योंकि महिला ने खुद अनुभव से अपनी क्षमता साबित कर ली होती है; इसलिए उसकी सोच "लोग क्या कहेंगे" से नहीं, खुद के अधिकार और उपलब्धि से मजबूत रहती है।

प्रश्न 16 (कठिन). पिछले हिस्से की 'लोग क्या कहेंगे' वाली जंजीर और 'आत्मसम्मान' के बीच संबंध समझाइए।
उत्तर – 'लोग क्या कहेंगे' वाली जंजीर डर और रोक लगाती है, जिससे महिला अपने निर्णय से पीछे हटती है। साइकिल सीखकर महिला स्वतंत्र रूप से जा-आ सकती है, खुद तय करने लगती है, और अनुभव से उसे अपनी क्षमता व बराबरी का एहसास होता है–यही आत्मसम्मान को मजबूत करता है।

» पुरुषों का विरोध और फिर सामाजिक स्वीकृति

प्रश्न 17 (आसान). शुरुआत में पुरुषों का विरोध किस वजह से था?
उत्तर – पुराने 'दायरे' वाली सोच के कारण–वे महिलाओं को बराबरी/नए कामों में जाने नहीं देना चाहते थे।

प्रश्न 18 (आसान). आंदोलन टिकने के पीछे महिलाओं की क्या भूमिका रही?
उत्तर – उन्होंने विरोध के बावजूद सीखना जारी रखा और उत्साह से साइकिल चलाना अपनाया।

प्रश्न 19 (मध्यम). सामाजिक स्वीकृति धीरे-धीरे कैसे बनी?
उत्तर – क्योंकि लोगों ने बदलाव साफ देखा और कुछ लोगों/समर्थकों (जैसे डीलर) की मदद से आंदोलन आगे बढ़ा।

प्रश्न 20 (कठिन). कारण-परिणाम लिखिए: पुरुषों का विरोध और बाद की स्वीकृति–इन दोनों के बीच कौन-सा 'मध्य कड़ी' कारण थी?
उत्तर – मध्य कड़ी थी 'महिलाओं का लगातार अभ्यास और काम का असर दिखना'–विरोध के बावजूद महिलाएँ सीखकर चलाने लगीं, और उनके जीवन में ठोस सुधार दिखने लगा, जिससे समर्थन/स्वीकृति बढ़ी।

» प्रशिक्षण शिविर, सहयोग और प्रेरणा के साधन

प्रश्न 21 (आसान). प्रशिक्षण शिविर महिलाओं की साइकिल सीखने में कैसे मदद करते हैं?
उत्तर – वे एक तय माहौल/व्यवस्था देते हैं, जिससे महिलाएँ एक साथ अभ्यास करके डर कम करती हैं और सीखने की गति बढ़ती है।

प्रश्न 22 (आसान). सहयोग का मतलब इस संदर्भ में क्या है?
उत्तर – जो महिलाएँ पहले से साइकिल चलाना सीख चुकी हैं, वे नयी सीखने वालों की मदद करती हैं–बताती हैं, सहारा देती हैं, हौसला बढ़ाती हैं।

प्रश्न 23 (मध्यम). गाने प्रेरणा का साधन कैसे बनते हैं?
उत्तर – साथ में गाने से उत्साह बढ़ता है, थकान/डर कम लगता है और महिलाएँ बार-बार कोशिश करने की ऊर्जा पाती हैं।

प्रश्न 24 (कठिन). अगर प्रशिक्षण शिविर/सहयोग/प्रेरणा न हो, तो सीखने में क्या समस्या आ सकती है? कारण बताइए।
उत्तर – बिना शिविर के अभ्यास का माहौल नहीं बनता, बिना सहयोग के गिरने पर हौसला नहीं मिलता और बिना प्रेरणा के डर/थकान के कारण कोशिश छोड़ने की संभावना बढ़ जाती है; इसलिए सीखना धीरे या रुक सकता है।

» आर्थिक लाभ–समय, गतिशीलता और आय में वृद्धि

प्रश्न 25 (आसान). साइकिल से महिलाओं का समय कैसे बचता है?
उत्तर – बस के इंतज़ार/यात्रा में कम समय लगता है।

प्रश्न 26 (आसान). साइकिल मिलने के बाद गतिशीलता में क्या बदलाव आता है?
उत्तर – वे अधिक इलाकों तक आसानी से जा पाती हैं।

प्रश्न 27 (मध्यम). समय और गतिशीलता बढ़ने से आय कैसे बढ़ती है?
उत्तर – समय बचता है और अधिक जगह पहुँचने से बिक्री पर ध्यान बढ़ता है, जिससे बिक्री/आय के मौके बढ़ते हैं।

प्रश्न 28 (कठिन). अगर परिवहन व्यवस्था खराब हो, तो साइकिल का आर्थिक लाभ ज्यादा क्यों दिखता है?
उत्तर – खराब परिवहन में पहले इंतज़ार और देरी बहुत बढ़ती है; साइकिल आने पर वह देरी/इंतज़ार घटता है और ज्यादा इलाकों तक पहुँच आसान हो जाती है–इसलिए समय और बिक्री दोनों पर असर पड़कर आय बढ़ने की संभावना ज्यादा होती है।

» 'विनम्र सवारी' के पीछे भावार्थ

प्रश्न 29 (आसान). 'विनम्र सवारी' में 'विनम्र' का अर्थ कमज़ोर होना है या गरिमा वाला भाव?
उत्तर – गरिमा वाला भाव।

प्रश्न 30 (आसान). किराए की साइकिल लेने से कथन के अनुसार व्यक्ति को क्या अनुभव होता है?
उत्तर – आज़ादी और खुशहाली।

प्रश्न 31 (मध्यम). अगर साइकिल किराए की है, फिर भी उसे 'विनम्र सवारी' क्यों कहा गया होगा? 2-3 बिंदु लिखो।
उत्तर – क्योंकि साधन सीमित हो सकता है, पर यह आज़ादी और खुशहाली का अनुभव कराती है; समय/काम पर नियंत्रण मिलता है; मन में गरिमा और खुशी आती है।

प्रश्न 32 (कठिन). 'विनम्र सवारी' के भावार्थ को एक पैराग्राफ में लिखो, जिसमें आर्थिक लाभ वाली सोच भी जुड़ जाए।
उत्तर – किराए की साइकिल आर्थिक लाभ इसलिए देती है कि समय बचता है और पहुँच बढ़ती है, जिससे काम और आय में सुधार होता है। लेकिन लेखक इसे सिर्फ पैसे तक सीमित नहीं रखता। असली भाव यह है कि साइकिल सीमित साधन होते हुए भी व्यक्ति को आज़ादी और खुशहाली का अनुभव कराती है–गरिमा के साथ आगे बढ़ने की ताकत देती है। इसी वजह से उसे 'विनम्र सवारी' कहा गया है।

» शीर्षक 'जहाँ पहिया है' का अर्थ-निर्माण

प्रश्न 33 (आसान). 'जहाँ पहिया है' में 'पहिया' से लेखक क्या संकेत देना चाहती होगी–सिर्फ वाहन या कुछ और?
उत्तर – सिर्फ वाहन नहीं–पहिया जहाँ चलता है वहाँ पहुँच, अवसर और आज़ादी का रास्ता खुलता है।

प्रश्न 34 (आसान). पाठ के संकेतों के आधार पर साइकिल से महिलाओं को किस तरह का अनुभव मिलता है?
उत्तर – आजादी और खुशहाली का अनुभव।

प्रश्न 35 (मध्यम). एक वैकल्पिक शीर्षक लिखो और 2 कारणों से बताओ कि वह 'जहाँ पहिया है' के अर्थ से कैसे जुड़ता है।
उत्तर – उदाहरण: "खुलती राह, बढ़ता हौसला" – (1) साइकिल रास्ता/पहुंच आसान करती है, (2) इससे नियंत्रण और खुशहाली का अनुभव होता है।

प्रश्न 36 (कठिन). मान लो किसी ने शीर्षक दिया: "बस साइकिल"। बताइए कि यह शीर्षक 'जहाँ पहिया है' के मुकाबले कमजोर क्यों है, पाठ के संकेतों के आधार पर।

उत्तर – क्योंकि "बस साइकिल" सिर्फ वस्तु बताता है, पर 'जहाँ पहिया है' साइकिल के असर/अर्थ पर ध्यान देता है–पहिया चलने से आज़ादी, खुशहाली और अवसर/पहुँच बढ़ती है। इसलिए तर्क और अनुभव वाला भाव गायब हो जाता है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. कविता की पंक्ति है: "मेरे कदम रुके ही नहीं, मैं तो दौड़ते-दौड़ते आसमान तक पहुँच गया।" बताइए–यहाँ अतिशयोक्ति अलंकार है या नहीं?

› पहले देखें, बात कितनी बढ़ा-चढ़ाकर कही गई है–"आसमान तक पहुँच गया" बहुत ज्यादा दावा है।
› अब जाँचें–क्या सच में कोई दौड़कर आसमान तक पहुँच सकता है? नहीं।
› फिर समझो–लेखक का उद्देश्य असर/भाव को बहुत तीव्र दिखाना है।

उत्तर – हाँ, यहाँ अतिशयोक्ति अलंकार है क्योंकि बात को सच से बहुत ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर कहा गया है।

उदाहरण 2. तमिलनाडु में महिलाएँ साइकिल चलाने को सामाजिक आंदोलन क्यों मानती हैं? 3 कारण लिखो और हर कारण के आगे "क्यों" भी लिखो।

› कारण 1: रूढ़ियों का विरोध – बताओ कि साइकिल कैसे साबित करती है कि महिलाएँ सक्षम हैं।
› कारण 2: निर्भरता कम होना – बताओ कि अब उन्हें हर काम के लिए सहारे/permission की ज़रूरत कम पड़ती है।
› कारण 3: सामूहिक बदलाव – बताओ कि जब कई महिलाएँ मिलकर करती हैं, तो यह समाज की सोच बदलने की कोशिश बनती है।

उत्तर – 1) रूढ़ियों का विरोध: क्योंकि साइकिल चलाकर महिलाएँ दिखाती हैं कि 'औरतें बाहर/खुद नहीं कर सकतीं' वाली सोच गलत है।
2) निर्भरता की जंजीरें टूटना: क्योंकि वे खुद रास्ता चुनकर खुद जा सकती हैं, हर समय किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।
3) सामूहिक बदलाव: क्योंकि कई महिलाएँ मिलकर यह करती हैं, जिससे यह सिर्फ व्यक्तिगत सुविधा नहीं बल्कि सामाजिक सोच बदलने वाला आंदोलन बन जाता है।

उदाहरण 3. जमील और फातिमा जैसी महिलाओं को साइकिल चलाना शुरू करते ही कुछ लोग टोकते हैं। नीचे लिखे हालात में बताओ–यह 'जंजीर' किस रूप में है: रूढ़िवादिता या निर्भरता?
(1) "ये काम सिर्फ पुरुष करेंगे, तुम मत करो।"
(2) "तुम कहाँ जाओगी? बस-स्टैंड पर जाना है तो किसी को साथ लेकर चलो।"
(3) "तुम साइकिल चलाओ तो घर वाले क्या कहेंगे?"

› हर स्थिति में देखो–विरोध/टोकना है या किसी काम को दूसरों पर छोड़ देना है।
› (1) नियम/लिंग के आधार पर 'मत करो' कहना = रूढ़िवादिता।
› (2) साथ के लिए निर्भरता बनाना/निर्णय दूसरों को देना = निर्भरता।
› (3) 'लोग/घर वाले क्या कहेंगे' वाला डर = रूढ़िवादिता।

उत्तर – (1) रूढ़िवादिता, (2) निर्भरता, (3) रूढ़िवादिता

उदाहरण 4. फातिमा ने कहा कि वह साइकिल किराए पर लेती हैं ताकि उन्हें "आशादी और खुशहाली" का अनुभव हो। अगर किसी महिला को पहले लगता था कि वह साइकिल नहीं चला सकती, तो साइकिल सीखने के बाद आत्मविश्वास और आत्मसम्मान पर क्या-क्या बदलाव होंगे? कम से कम 3 बदलाव लिखिए।

› पहले डर/रुकावट पहचानो: "मैं नहीं कर पाऊँगी" वाली सोच
› साइकिल सीखने से अनुभव के आधार पर भरोसा बढ़ेगा
› खुद चलने से निर्भरता घटेगी और फैसले अपना बनेंगे
› लोगों की हँसी/विरोध के बावजूद क्षमता साबित होने पर गरिमा बनी रहेगी
› खुशी/हल्कापन इसलिए आएगा क्योंकि आज़ादी का एहसास होगा

उत्तर – साइकिल सीखने के बाद महिला के आत्मविश्वास में बदलाव होंगे: (1) डर कम होगा और "मैं कर सकती हूँ" वाला

भरोसा बढ़ेगा। (2) वह खुद तय कर पाएगी कि कब/कैसे जाना है, इसलिए निर्भरता घटेगी। (3) विरोध या लोगों की हँसी के बावजूद उसकी क्षमता पर विश्वास से आत्मसम्मान बढ़ेगा। साथ ही "आज़ादी और खुशहाली" का अनुभव होने से मन हल्का रहेगा।

उदाहरण 5. प्रश्न: पाठ के अनुसार शुरुआत में पुरुषों के विरोध के बावजूद आंदोलन कैसे टिक पाया और फिर सामाजिक स्वीकृति कैसे बनी–कारण-परिणाम लिखिए।

› पहले कारण लिखो: पुरुषों की सोच महिलाओं को 'बराबरी' और 'नए दायरे' में नहीं जाने देना चाहती थी, इसलिए विरोध/टिप्पणियाँ हुईं।

› फिर परिणाम-कारक लिखो: महिलाएँ साइकिल सीखने में लगी रहीं–"उन्हें इसे सीखना ही है" जैसी जिद नहीं, बल्कि लगातार अभ्यास और उत्साह से काम आगे बढ़ा।

› समझाओ कि टिकने का मतलब सिर्फ सहन करना नहीं: आंदोलन को सपोर्ट मिला, जैसे "आर. साइकिल्स" का समर्थन।

› फिर स्वीकृति का कारण जोड़ो: जब लोगों ने महिलाओं की स्वतंत्रता, काम में मदद और रोज़मर्रा का बदलाव देखा, तो विरोध की जगह स्वीकृति बन गई।

उत्तर – शुरुआत में पुरुषों का विरोध इसलिए हुआ क्योंकि उनकी 'पुरुषों वाला दायरा' वाली सोच महिलाओं की बराबरी/स्वतंत्रता को चुनौती मानती थी। फिर आंदोलन टिक पाया क्योंकि महिलाएँ लगातार साइकिल सीखती रहीं और उनका उत्साह आंदोलन को आगे बढ़ाता रहा; साथ ही कुछ लोगों/व्यापारियों (जैसे आर. साइकिल्स) का समर्थन भी मिला। जैसे-जैसे महिलाओं के जीवन में बदलाव साफ दिखने लगा–आत्मसम्मान, समय की बचत और काम की सुविधा–लोगों का नजरिया बदला और "धीरे-धीरे सामाजिक स्वीकृति" बन गई।

उदाहरण 6. एक गाँव में 10 महिलाएँ साइकिल सीखना शुरू करती हैं। पहले 3 महिलाएँ सफल हो जाती हैं। फिर हर सफल महिला 2 नई महिलाओं को रोज़ 30 मिनट सहारा देकर अभ्यास कराती है। 5 दिनों बाद नई महिलाओं की संख्या कितनी मदद के साथ बढ़ेगी, मानकर कि मदद रोज़ वही चलती है और सफल महिलाएँ कम नहीं होतीं?

› शुरू में सफल महिलाएँ = 3

› हर सफल महिला 2 नई महिलाओं को मदद करती है कुल मदद प्राप्त नई महिलाएँ = 3×2 = 6

› 5 दिनों में भी मदद का पैटर्न नहीं बदलता, तो नई महिलाएँ वही 6 मदद के साथ अभ्यास करेंगी

› साइकिल सीखने वालों में कुल (मदद पाने वाली नई + पहले से सफल) = 3 + 6 = 9

उत्तर – 5 दिनों तक मदद के साथ अभ्यास करने वाली कुल नई महिलाएँ 6 होंगी और कुल सीखने वाले 9 (3 पहले से सफल + 6 नई मदद वाली) बनेंगे।

उदाहरण 7. एक महिला साइकिल न होने पर रोज़ बस के इंतज़ार और पैदल चलने में लगभग 2 घंटे खर्च कर देती है। साइकिल मिलने के बाद यह समय घटकर 45 मिनट हो जाता है। वह उसी बचा हुआ समय अपने सामान बेचने में लगा देती है। अगर वह पहले प्रति घंटे 20 रुपये की बिक्री कर लेती थी, तो साइकिल से रोज़ उसकी अतिरिक्त बिक्री कितनी होगी?

› पहले यात्रा/इंतज़ार का समय = 2 घंटे

› बाद में यात्रा/इंतज़ार का समय = 45 मिनट = 0.75 घंटे

› समय की बचत = 2 - 0.75 = 1.25 घंटे

› प्रति घंटे बिक्री = 20 रुपये

› अतिरिक्त बिक्री = 1.25 × 20 = 25 रुपये

उत्तर – साइकिल से उसकी अतिरिक्त बिक्री रोज़ लगभग 25 रुपये होगी।

उदाहरण 8. प्रश्न: 'विनम्र सवारी' कहा गया है। भावार्थ लिखिए कि लेखक साइकिल को ऐसा क्यों कहता है और उसमें क्या असली अर्थ छिपा है।

› पहले "विनम्र" को गलत अर्थ (कमज़ोर/छोटी) से अलग करो।
› फिर ध्यान दो कि कथन में मुख्य बात 'किराए पर' के बाद क्या हासिल होता है।
› कथन के अनुसार 'आज़ादी और खुशहाली का अनुभव' ही केंद्र है।
› अंत में जोड़ो: साधन सीमित हो सकता है, पर गरिमा और खुशी उसका असली मूल्य है।

उत्तर – लेखक साइकिल को 'विनम्र सवारी' इसलिए कहता है क्योंकि यह किराए की होते हुए भी व्यक्ति को आज़ादी और खुशहाली का अनुभव कराती है। यानी सीमित साधन के भीतर मिला गरिमामय अनुभव ही इसका असली भावार्थ है।

उदाहरण 9. पाठ के संकेतों के आधार पर 'जहाँ पहिया है' का वैकल्पिक शीर्षक सुझाइए और अपना पक्ष (तर्क) लिखिए।

› पहले शीर्षक का भाव पकड़ो: 'पहिया' का मतलब सिर्फ वाहन नहीं, पहुँच/स्वतंत्रता का अनुभव है।
› पाठ में संकेत लो: किराए की साइकिल से आज़ादी और खुशहाली का अनुभव आता है।
› ऐसा शीर्षक चुनो जिसमें पहिये से जुड़ा अर्थ + ग्रामीण महिलाओं की आज़ादी/अवसर का तर्क साफ दिखे।
› फिर 2-3 पंक्तियों में लिखो कि तुम्हारा शीर्षक पाठ से कैसे मेल खाता है।

उत्तर – वैकल्पिक शीर्षक: "पहुँच की आज़ादी"। तर्क: क्योंकि साइकिल से ग्रामीण महिलाओं को अपने काम/जगह तक पहुँचने में आसानी होती है, किराये की साइकिल लेने पर उन्हें आज़ादी और खुशहाली का अनुभव होता है–यानी 'जहाँ पहिया है' वहाँ रास्ता भी खुलता है और विकल्प भी।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• कविता में पंक्ति चुनते समय असंभव/अधिकता वाला संकेत जरूर लिखो।
• उत्तर में 'रूढ़ियाँ/निर्भरता/सामूहिक बदलाव' तीन बिंदु लिखो।
• रूपक 'जंजीरें' = रूढ़िवादिता + निर्भरता–दोनों लिखना ज़रूरी।
• उत्तर लिखते समय 'आज़ादी/खुशहाली + गरिमा' जरूर लिखना।
• उत्तर में "कारण (विरोध)" और "कारण (स्वीकृति)"–दोनों लिखो।
• उत्तर लिखते समय 'शिविर', 'सहयोग', 'प्रेरणा (गाने/उत्साह)' तीनों ज़रूर लिखना।
• कारण-श्रृंखला लिखो: समय बचत अधिक पहुँच बिक्री फोकस आय वृद्धि।
• सिर्फ 'किराया' नहीं–लिखो: आज़ादी और खुशहाली का अनुभव ही भावार्थ है।
• शीर्षक लिखते ही 'क्यों' में 2 संकेत-तर्क जरूर लिखना।

एक नज़र में रिवीज़न

› - "सच से ज्यादा" लगे तो अतिशयोक्ति।
› - साइकिल से रूढ़ि टूटे, निर्भरता घटे, बदलाव बने।
› रूढ़ि: 'लोग क्या कहेंगे', निर्भरता: 'दूसरे का सहारा'–दो जंजीरें।
› आत्मविश्वास: खुद सीखना; आत्मसम्मान: आज़ादी + गरिमा
› - विरोध सोच का था, स्वीकृति बदलाव का सबूत बनी।
› शिविर-सहयोग-गीत = टिकाऊ सीख
› समय बचता है, दूरी बढ़ती है, बिक्री बढ़ती है, आय बढ़ती है।
› विनम्र = सीमित साधन में गरिमा: आज़ादी + खुशहाली
› - पहिया = पहुँच+अवसर; 'जहाँ' = असर वाली जगह